सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 350 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 1 फरवरी, 2024

किसी मूर्ख व्यक्ति के लिए किताबें उतनी ही उपयोगी हैं जितना कि एक अंधे व्यक्ति के लिए आईना।

–चाणक्य

जातीय जनगणना पर राहुल के बयान... 7 | छोटों के सहारे बड़ी लड़ाई की... 3

बजट में दिखी चुनावी आहट

जनता को नहीं मिली राहत

टैक्स स्लैब में नहीं हुआ कोई बदलाव, कॉर्पोरेट टैक्स घटा

» मुफ्त बिजली देने की घोषणा, करदाता निराश

» सरकार बोली- विकास को मिलेगी रफ्तार

» विपक्ष ने बताया- मोदी सरकार का विदाई बजट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में मोदी सरकार का आखिरी बजट पेश किया है। इस बार अंतरिम बजट पेश किया गया है। इस बजट में उन्होंने सरकार की उपलब्धियों के बारे में ज्यादा बताया। बजट में कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई। टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नही किया गया। कुल मिलाकर मोदी सरकार ने चुनाव को नजर में रखकर बजट जारी किया।

इस बजट को जहां सरकार ने विकासोन्मुख बताया है वहीं विपक्ष ने कहा है कि यह मोदी सरकार का विदाई बजट है। यह बजट मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट है। वित्तमंत्री ने इस बार छठा बजट सदन में पेश किया। मोरारजी देसाई के बाद सीतारमण ही दूसरी वित्त मंत्री हैं, जिन्हें छह बार बजट पेश करने का मौका मिला। मोदी सरकार ने भी मुफ्त बिजली देने का दांव चला। वित्तमंत्री ने रूफटॉप सौर ऊर्जा से एक करोड़ घरों को 300 यूनिट की मुफ्त बिजली हर महीने सौर ऊर्जा के जरिए मिल पाएगी। 15-18 हजार रुपये की बचत होगी। ई-व्हीकल की चार्जिंग के लिए बड़े पैमाने पर इंस्टॉलेशन होंगे। इससे वेंडरों को काम मिलेगा।

लखपति दीदी का लक्ष्य बढ़ाया

नौ करोड़ महिलाओं से जुड़े 83 लाख स्वयं सहायता समूहों अहम योगदान रखते हैं। उनकी कामयाबी से एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने में मदद मिली है। वे दूसरों के लिए प्रेरणा हैं। हमने तय किया है कि लखपति दीदी के लिए लक्ष्य को दो करोड़ से बढ़ाकर तीन करोड़ किया है।

47.66 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय का अनुमान

2024-25 में 47.66 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय का अनुमान है। राजकोषीय घाटा जीडीपी का 5.1प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसे उसके अगले वर्ष 4.5प्रतिशत से नीचे लाने का लक्ष्य रहेगा। एफडीआई यानी फर्स्ट डेवलप इंडिया पर जोर दिया जाएगा ताकि पहले विकास भारत में आए। राज्यों की सुधार योजनाओं के लिए 75 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा रहा है। यह 50 वर्ष के लिए ब्याज मुक्त ऋण होगा। अगले 25 वर्ष हमारे लिए कर्तव्य काल है।

जनविरोधी बजटों का एक दशक पूरा कर बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड : अखिलेश

लखनऊ। बजट को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। अखिलेश यादव ने इसे भाजपा की विदाई का बजट करार देते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने जनविरोधी बजटों का एक दशक पूरा करके एक शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया है। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, कोई भी बजट अगर विकास के लिए नहीं है और कोई भी विकास अगर जनता के लिए नहीं है तो वो व्यर्थ है। भाजपा सरकार ने जनविरोधी बजटों का एक दशक पूरा करके एक शर्मनाक रिकार्ड बनाया है, जो फिर कभी नहीं टूटेगा क्योंकि अब सकारात्मक सरकार आने का समय हो गया है। ये भाजपा का 'विदाई बजट' है। भाजपा सरकार ने जनविरोधी बजटों का एक दशक पूरा करके एक शर्मनाक रिकार्ड बनाया है, जो फिर कभी नहीं टूटेगा क्योंकि अब सकारात्मक सरकार आने का समय हो गया है।

पीएम किसान संपदा योजना से बढ़ाएंगे रोजगार

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना से 38 लाख किसानों को फायदा मिला है और 10 लाख रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए हैं। उपज के बाद होने वाले नुकसान को रोकने के लिए भी योजनाओं पर काम हो रहा है। हम कृषि उपज होने के बाद की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी मजबूत करेंगे। आत्मनिर्भर तेल बीज अभियान को मजबूत किया जाएगा। इसके तहत कृषि की नई प्रौद्योगिकी और कृषि बीमा को बढ़ावा दिया जाएगा। डेयरी से जुड़े किसानों की भी मदद की जा रही है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं। मत्स्य संपदा को भी मजबूत किया जा रहा है। सी-फूड का उत्पादन दोगुना है। मत्स्य संपदा योजना के जरिए उत्पादकता को तीन से बढ़ाकर पांच टन प्रति हेक्टेयर किया जाएगा। रोजगार के 55 लाख नए अवसरों को उत्पन्न किया जाएगा। पांच समेकित एक्वा पार्क बनाए जाएंगे।

रेलवे के लिए खोला खजाना

तीन रेलवे कॉरिडोर ऊर्जा, खनिज और सीमेंट के लिए बनाए जाएंगे। पीएम गति शक्ति के तहत इनकी पहचान की गई है। इससे लागत कम होगी और सामान की आवाजाही सुगम होगी। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से विकास दर बढ़ाने में मदद मिलेगी। 40 हजार सामान्य बोगियों को वंदे भारत के पैमानों के अनुरूप विकसित किया जाएगा ताकि यात्रियों की सुरक्षा और सहूलियत को बढ़ाया जा सके। विमानन क्षेत्र के लिए एलान करते हुए कहा कि अब देश में 149 विमानतल हैं। टियर-2 और टियर-3 शहरों को उड़ान के तहत विस्तार दिया जा रहा है। देश की विमानन कंपनियां एक हजार नए विमान खरीद रही हैं।

देश में करदाता 2.4 गुना बढ़े

प्रत्यक्ष कर संग्रह 10 साल में तीन गुना बढ़ा है। करदाता 2.4 गुना बढ़े हैं। करदाताओं का योगदान देश के विकास में काम आ रहा है। हम करदाताओं की सराहना करते हैं। सरकार ने कर दरों को कम किया है। लागू हो चुकी नई कर योजना के तहत सात लाख रुपये तक अब कोई कर नहीं हैं। कॉर्पोरेट टैक्स भी कम हुआ है। नए फॉर्म 26एस से टैक्स फाइल करना आसान हुआ है। 2013-14 में 93 दिनों के बजाय अब 10 दिन में रिफंड मिल रहा है। कर दरों, आयात दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

पीएम आवास योजना में दो करोड़ आवास बनेंगे

मध्यमवर्ग के लिए योजना बनेगी। किराए के घर, बस्ती, अनियमित घरों में रहने वालों के पास नया घर खरीदने या बनाने का मौका रहेगा। पीएम आवास योजना-ग्रामीण इसके तहत तीन करोड़ आवास बनाए जाएंगे। इनमें दो करोड़ आवास अगले पांच वर्ष में बनने जा रहे हैं।

300

यूनिट की मुफ्त बिजली हर महीने सौर ऊर्जा के जरिए मिल पाएगी।

न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन दृष्टिकोण से प्रशासन किया : सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने अंतरिम बजट भाषण में कहा, हमारी सरकार ने नागरिक प्रथम और न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन दृष्टिकोण के साथ जवाबदेह, जन केंद्रित और विश्वास आधारित प्रशासन प्रदान किया है। अमृतकाल के लिए सरकार ऐसी आर्थिक नीतियों को अपनाएं जो टिकाऊ विकास, सभी के लिए अवसरों, क्षमता विकास पर केंद्रित रहेंगी। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के साथ हम सुधारों का अगला चरण शुरू करेंगे। समय पर आर्थिक मदद, प्रासंगिक प्रौद्योगिकी, स्वस्थ्य को सशक्त बनाने जैसे पहुलओं पर नई नीतियों के जरिए काम होगा। हम ऊर्जा सुरक्षा पर भी काम करेंगे। संसद में अंतरिम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, पिछले 10 साल में 30 करोड़ मुद्रा योजना ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए...ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को 70 प्रतिशक आवास महिलाओं को मिले हैं। औसत वास्तविक आमदनी 50 फीसदी बढ़ी है। महंगाई दर संभली हुई है। परियोजनाएं समय पर पूरी हो रही हैं। लोग अच्छे से रह रहे हैं और अच्छी आमदनी कर रहे हैं। बड़ी योजनाओं की प्रभावी तरीके से और समय पूरा किया जा रहा है। जीएसटी ने एक देश, एक मार्केट और एक टैक्स की धारणा को मजबूत किया है। आईएफएससी ने वैश्विक वित्तीय निवेश का रास्ता खोला है।

कानूनी प्रक्रिया की हो रही अनदेखी : अखिलेश

» ज्ञानवापी के तहखाने में पूजा पर सपा प्रमुख की प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी जिला अदालत ने बुधवार को ज्ञानवापी मामले में को अहम फैसला सुनाया है। जिस पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस पर तंज करते हुए इसे नियत प्रक्रिया से परे गतिविधि करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बृहस्पतिवार को कहा कि किसी भी अदालती आदेश का पालन करते समय उचित प्रक्रिया को बनाए रखना होगा। वाराणसी की अदालत ने इसके लिए सात दिन की अवधि तय की थी। अब हम जो देख रहे हैं वह नियत प्रक्रिया से परे जाने और किसी भी कानूनी सहारे को रोकने का एक ठोस प्रयास है।

ज्ञात हो कि वाराणसी जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने में हिंदू पक्ष को पूजा का अधिकार दिया है। कोर्ट के आदेश के कुछ घंटे बाद ही देर रात तहखाने को खोलकर उसमें पूजा आराधना की गई। काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र पांडेय ने बताया कि रात करीब साढ़े 10 बजे 31 साल बाद व्यास जी का तहखाना पूजा-पाठ के लिये खोला गया और उसकी साफ-सफाई करायी गयी। पांडेय ने कहा कि जैसा कि न्यायालय का आदेश था, उसका पालन करना भी जरूरी था तो जिला प्रशासन ने बड़ी मुस्तैदी के साथ सारी व्यवस्था कर दी है। मुझे लगता है कि और जो भी कमी रह गई है उसे धीरे-धीरे पूरा कर लिया जाएगा। इस सवाल पर कि आज तहखाने के अंदर क्या हुआ, जिलाधिकारी एस. राजालिंगम ने कहा, 'मैंने अदालत का जो आदेश है उसका अनुपालन किया है'। कुछ स्थानीय लोगों का दावा है कि साफ सफाई के बाद तहखाने में लक्ष्मी-गणेश की आरती की गयी। जिला प्रशासन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इससे पहले रात करीब साढ़े नौ बजे काशी-विश्वनाथ ट्रस्ट के सदस्यों को बुलाकर नंदी महाराज के सामने लगी बैरिकेडिंग को हटाकर रास्ता खोला गया। यह तहखाना ज्ञानवापी परिसर के अंदर स्थित है।

आयातित प्रत्याशियों से पार्टी में असंतोष

सपा ने पहली सूची में कई ऐसे प्रत्याशियों को उतारा है, जो मूल रूप से समाजवादी नहीं हैं। वे बसपा, कांग्रेस या संघ की पृष्ठभूमि से हैं। इन आयातित प्रत्याशियों से पार्टी में अंदरखाने असंतोष है। ऐसे में भितरघात पर काबू पाने के लिए सपा को अभी से रणनीति बनाकर अमल करना होगा। अंबेडकरनगर से बसपा काडर के नेता रहे लालजी वर्मा को टिकट दिया गया है। वह 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा में शामिल हुए और कटेहरी से विधायक बने। यहां से पुराने समाजवादी शंखलाल माझी और राममूर्ति वर्मा को टिकट न मिलने से उनके समर्थकों में नाराजगी बताई जा रही है। हालांकि, सपा नेताओं का तर्क है कि 2022 में अंबेडकरनगर की पांचों विधानसभा सीटें सपा के खाते में आई थीं, जिनमें से चार विधायक बसपा मूल के हैं। इसलिए पार्टी ने लालजी वर्मा पर दांव लगाना बेहतर समझा। एटा से प्रत्याशी देवेश शाक्य 2012 का विधानसभा चुनाव बसपा से लड़े थे। वह जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव मात्र एक मत से हार गए थे। यहां से पिछला लोकसभा चुनाव सपा से लड़े देवेंद्र सिंह यादव फिर टिकट मांग रहे थे। एटा के एक समाजवादी नेता स्वीकार करते हैं कि टिकट कटने से देवेंद्र सिंह के समर्थकों में असंतोष है, पर मुस्लिम व यादव वोटों में शाक्य वोट प्लस होने की उम्मीद में देवेश को उतारा गया है।

सीटों के बारे में सवाल वही उठा रहे जो कमेटी में नहीं : सपा

लखनऊ। सपा ने कहा है कि कांग्रेस को जो भी सीटें दी गई हैं उसकी जानकारी उनके नेताओं को दे दी गई है। सपा के अधिकारिक सूत्रों ने कहा कि उसकी जानकारी मुकुल वासनिक की अगुवाई में बनी उनकी कमेटी को दे दी गई है। इस पर सवाल वे ही नेता उठा रहे हैं जो न तो कमेटी में है और न ही उन्हें कमेटी ने कोई जानकारी दी है। ज्ञात हो कि कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे को लेकर चल रही रार खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। इंडिया गठबंधन में सपा और कांग्रेस के बीच अभी सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप नहीं दिया गया है, लेकिन उससे पहले ही सपा ने अपने प्रत्याशी घोषित करने प्रारंभ कर दिए हैं। इससे जहां कांग्रेस के नेता असहज हैं, वहीं सपा सूत्रों का कहना है कि मध्य प्रदेश की घटना से सबक लेकर उनकी पार्टी आगे बढ़ रही है। मध्य प्रदेश चुनाव के दौरान कांग्रेस ने जिस तरह से सपा के साथ व्यवहार किया, वह सबके सामने है। कई राउंड की बातचीत के बाद गठबंधन के तहत सपा को कोई सीट नहीं दी। दूसरी तरफ कांग्रेस ने सभी लोकसभा सीटों पर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। बुधवार को प्रदेश प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष ने अलग अलग बैठकों में एक- एक सीट की समीक्षा की। वहां जीतने-हारने की संभावनाओं को टटोला। बैठक के बाद जिला व सीट स्तर पर सोशल मीडिया समन्वयक तैनात करने की बात हुई। इसी के तहत छह फरवरी को 2019 के लोकसभा, 2022 के विधान सभा प्रत्याशियों और पदाधिकारियों का संवाद कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में उनसे फीडबैक लिया जाएगा।

शिक्षक भर्ती में जल्दबाजी कर रहे सीएम : लोकेश

» टीडीपी ने जगन पर लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश ने अपने कार्यकाल के अंतिम 60 दिनों में 6,100 शिक्षकों की भर्ती के लिए जल्दबाजी करने के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर कटाक्ष किया, उन्होंने सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर डीएससी की घोषणा का जिक्र किया।

तेलुगु देशम पार्टी के नेता ने कहा कि डीएससी परीक्षा आयोजित करने का निर्णय उनके कार्यकाल में बहुत देर से आया, 60 महीने के कार्यकाल के बाद केवल 60 दिन शेष थे। उन्होंने सुझाव दिया कि आखिरी मिनट की यह कार्रवाई लोगों का विश्वास नहीं जीत पाएगी। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने अमरावती में एक कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जहां बड़े पैमाने पर जिला चयन समिति (डीएससी) परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय से राज्य भर में 6,100 शिक्षण पद खुलेंगे।

कोई भी एकतरफा फैसला नहीं होता : अविनाश

» कांग्रेस बोली- सपा ने नहीं निभाया गठबंधन धर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा है कि सपा ने प्रदेश में लोकसभा उम्मीदवार उतारकर गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया है। फिर भी हम सभी बातों पर चर्चा करने और सकारात्मक मान्यता के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। मुझे यकीन है कि ये चीजें ठीक होंगी। लखनऊ में उन्होंने माना कि सपा ने 16 उम्मीदवार उतार कर अच्छा संदेश नहीं दिया है। भाजपा को पराजित करने के लिए सभी दलों को एक होना चाहिए।

चाहे वह सीटों के संबंध में हो या किसी रणनीति के संबंध में। अविनाश पांडेय ने कहा कि अगर कोई राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस पार्टी के साथ समझौता कर रही है, तो हमारी अपनी पार्टी की भी एक पहचान है।

कोई भी एकतरफा फैसला नहीं होता है, गठबंधन में शामिल सभी लोग एक साथ आते हैं और सर्वसम्मति से उस बात की घोषणा करते हैं। आज भी हमारे मन में सपा के प्रति पूरा सम्मान है और बहुत सकारात्मक चर्चा चल रही है।

शीर्ष नेतृत्व तय करेगा कौन कहां से लड़ेगा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री की ओर से सोनिया गांधी के वहां से चुनाव लड़ने के मामले में कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय नेताओं का कहना है कि रायबरेली में कौन लड़ेगा, यह शीर्ष नेतृत्व तय करेगा। प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि प्रदेश के नेता चाहते हैं कि गांधी परिवार के हर सदस्य को उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ाया जाए। हम लोग इसकी तैयारी भी कर रहे हैं, लेकिन यह शीर्ष नेतृत्व को तय करना है कि कौन कहा से लड़ेगा।

पीएल पुनिया बनाए गए न्याय यात्रा के लिए संयोजक

उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के सफल संचालन हेतु कांग्रेस महासचिव/प्रभारी अविनाश पांडेय की स्वीकृति से प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने निम्न नेतागणों को संयोजक/सह संयोजक नियुक्त किया है। पीएल पुनिया (पूर्व सांसद) कार्यक्रम के संयोज और आराधना मिश्रा मोना - सह- संयोजक बनाई गई हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

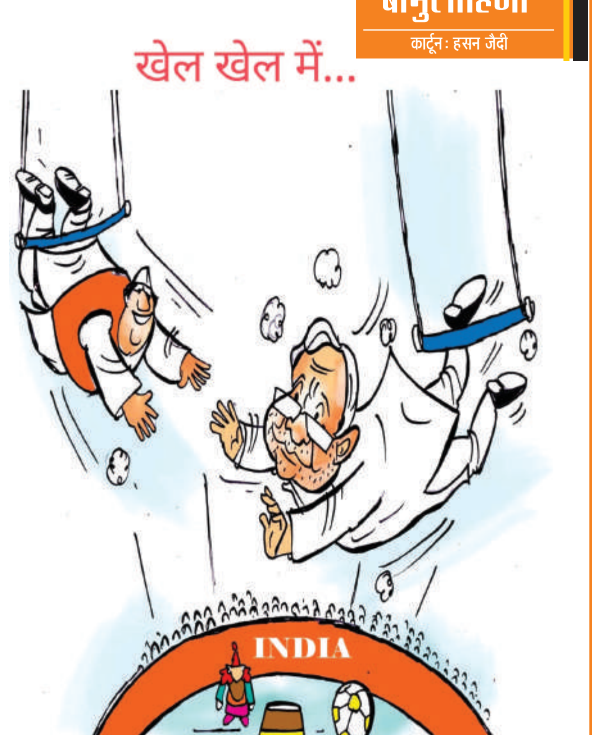

अधिकारों का गलत इस्तेमाल हुआ : भगवंत

» चंडीगढ़ मेयर चुनाव के बाद आप-बीजेपी में तना-तनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़/कुरुक्षेत्र। चंडीगढ़ मेयर चुनाव को लेकर पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों ने एक-दूसरे का नाम लिए बिना तीखा हमला बोला। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि भाजपा के पीठासीन अधिकारी ने अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल कर वोटों को रद्द कर दिया। यह सब वीडियोग्राफी में भी कैद हो चुका है। इसके बावजूद मेयर चुनाव को रद्द नहीं किया गया।

आप-कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में पेश होकर मांग करेंगे कि इस मामले में प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई हो। वहीं हरियाणा के सीएम ने आप व कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि वर्तमान में कांग्रेस खत्म होने के कगार पर है। जनता के बीच जाने के लिए उसके पास कुछ नहीं है। जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जाता है लेकिन जनता सब जानती है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों पर चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस की स्थिति यह है कि दिल के टुकड़े हुए हजार, कोई यहां गिरा तो कोई वहां गिरा।

आप के साथ नहीं है जनमत : मनोहर लाल

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने तंज कसा कि यह तो वही बात हुई कि नाच न जाने आंगन टेढ़ा। जनमत उनके साथ नहीं है, इसीलिए उनका मेयर नहीं चुना गया। कुरुक्षेत्र जाने से पहले उन्होंने चंडीगढ़ में कहा कि भाजपा आगामी सभी चुनाव भी जीतेगी। कुरुक्षेत्र में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में मेयर का चुनाव पूरी तरह से नियमानुसार ही हुआ है। हारने वाले हमेशा ही बेबुनियाद आरोप लगाते रहते हैं।

छोटों के सहारे बड़ी लड़ाई की तैयारी

छोटे-छोटे दलों के संपर्क में हैं सियासी पार्टियां, सपा और भाजपा ने बनाई दोस्ती की रणनीति

» कांग्रेस की नजर बसपा पर, अभी कोई चर्चा नहीं

» यूपी-उत्तराखंड को छोड़कर अन्य राज्यों में कर सकती है बसपा गठजोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे लोकसभा के चुनाव नदीक आ रहे हैं सियासी दलों के पेशानी पर बल भी नजर आ रहे हैं। सबसे ज्यादा विकट स्थिती यूपी के सियासी दलों की हो गई है। सपा ने जहां 16 प्रत्याशियों की सूची जारीकर सबको पीछे छोड़कर बाजी मार ली है। कांग्रेस असमंजस में पहुंच गई है इसके लिए वह अब अपने शीर्ष नेतृत्व पर टकटकी लगाए हुए है। भाजपा तो पूरे तिकड़म में लगी हुई है कि विपक्ष यूपी में एकजुट न होने पाए। उधर बसपा के नेताओं की बेचैनी बढ़ रही है। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि उनकी पार्टी क्या करेगी और उन्हें क्या करना चाहिए। अब प्रदेश की बड़ी पार्टियां छोटे-छोटे दलों के सहारे लोकसभा चुनाव-2024 की बड़ी लड़ाई जीतना चाहती है।

सुभासपा, अपना दल, पीस पार्टी, महान दल, निषाद पार्टी समेत एक दर्जन छोटे दलों पर भाजपा, कांग्रेस, सपा व बसपा ने नजरे गड़ाई हुई हैं। आने वाले समय में पता चलेगा कौन किस ओर पाला फिअ करता है। पर सियासी गलियारें में फिलहाल यह चर्चा आम हो गई है इस बार छोटी राजनीतिक पार्टियों का भाव बए सकता है। सारे इसी जुगत में है कि किसी तरह छोटे-दलों को एकसाथ करते चुनावी जंग जीती जाए। दरअसल, बसपा नेताओं, ख़ासकर पार्टी के सांसदों की परेशानी विधानसभा चुनाव के समय से बढ़ी हुई है। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने एनडीए और इंडी गठबंधन से भले ही दूरी बना ली हो, लेकिन अपनी ताकत बढ़ाने के लिए उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़ दूसरे राज्यों के क्षेत्रीय दलों से गठबंधन कर लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावनाएं जरूर तलाश रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा जैसे राज्यों की पार्टियों से बसपा का गठबंधन तय माना जा रहा है। सीटों की संख्या तय होने के साथ ही गठबंधन की घोषणा कर दी जाएगी।

सपा की नजर कुर्मी वोटरों पर

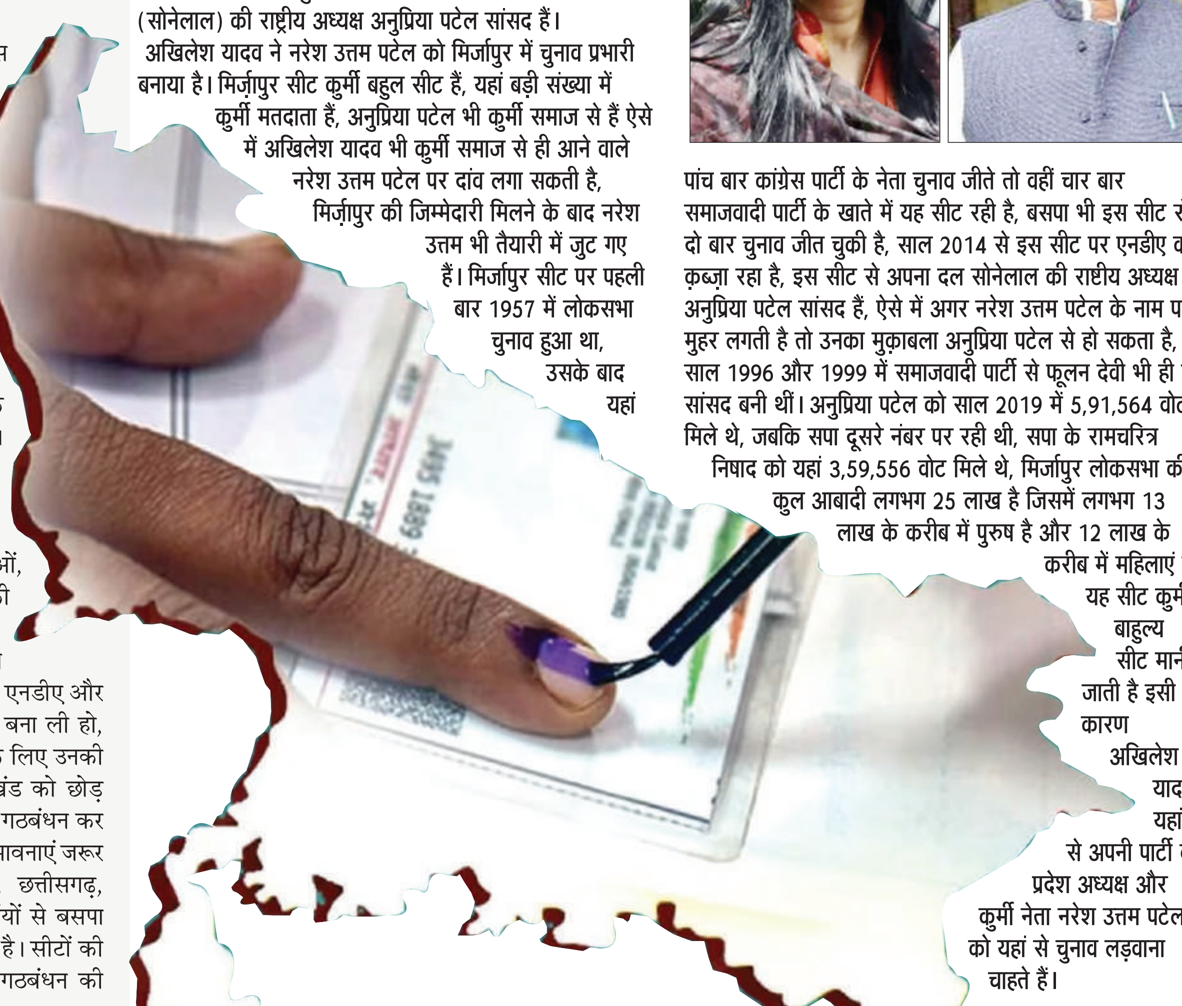

समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में पूरी तरह उतर चुकी है। सपा के 16 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने के बाद अखिलेश यादव ने दूसरी सीटों को लेकर भी मंथन शुरू कर दिया है। सपा ने नरेश उत्तम पटेल को मिर्जापुर का प्रभारी घोषित कर दिया है, में अटकलें लगाई जा रही है कि अगर गठबंधन में ये सीट सपा के खाते में आती है तो नरेश उत्तम पटेल को यहां से टिकट मिल सकता है। मिर्जापुर सीट से अभी केंद्रीय मंत्री और अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल सांसद हैं।

अखिलेश यादव ने नरेश उत्तम पटेल को मिर्जापुर में चुनाव प्रभारी बनाया है। मिर्ज़ापुर सीट कुर्मी बहुल सीट हैं, यहां बड़ी संख्या में कुर्मी मतदाता हैं, अनुप्रिया पटेल भी कुर्मी समाज से हैं ऐसे में अखिलेश यादव भी कुर्मी समाज से ही आने वाले नरेश उत्तम पटेल पर दांव लगा सकती है, मिर्ज़ापुर की जिम्मेदारी मिलने के बाद नरेश उत्तम भी तैयारी में जुट गए हैं। मिर्जापुर सीट पर पहली बार 1957 में लोकसभा चुनाव हुआ था, उसके बाद यहां पांच बार कांग्रेस पार्टी के नेता चुनाव जीते तो वहीं चार बार समाजवादी पार्टी के खाते में यह सीट रही है, बसपा भी इस सीट से दो बार चुनाव जीत चुकी है, साल 2014 से इस सीट पर एनडीए का क़ब्ज़ा रहा है, इस सीट से अपना दल सोनेलाल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल सांसद हैं, ऐसे में अगर नरेश उत्तम पटेल के नाम पर मुहर लगती है तो उनका मुक़ाबला अनुप्रिया पटेल से हो सकता है, साल 1996 और 1999 में समाजवादी पार्टी से फूलन देवी भी ही से सांसद बनी थीं। अनुप्रिया पटेल को साल 2019 में 5,91,564 वोट मिले थे, जबकि सपा दूसरे नंबर पर रही थी, सपा के रामचरित्र निषाद को यहां 3,59,556 वोट मिले थे, मिर्जापुर लोकसभा की कुल आबादी लगभग 25 लाख है जिसमें लगभग 13 लाख के करीब में पुरुष है और 12 लाख के करीब में महिलाएं हैं, यह सीट कुर्मी बाहुल्य सीट मानी जाती है इसी कारण अखिलेश यादव यहां से अपनी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और कुर्मी नेता नरेश उत्तम पटेल को यहां से चुनाव लड़वाना चाहते हैं।

मैनपुरी में बढ़ी राजनीतिक गहमागहमी

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए समाजवादी पार्टी के कैंडिडेट एनाउंसमेंट के बाद हलचल बढ़ गई है। अखिलेश यादव ने पार्टी उम्मीदवारों को लोकसभा चुनाव की तैयारी पहले से करने की रणनीति के तहत उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करना शुरू किया है। पहले चरण में पार्टी ने 16 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। लेकिन, इस घोषणा ने पार्टी को बड़ा झटका दे दिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबी माने जाने वाले आरसीएल ग्रुप के चेयरमैन इंजीनियर मनोज यादव ने उन्हें झटका दिया है। मंगलवार को मनोज यादव ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। मैनपुरी में मनोज यादव के इस्तीफे के बाद माहौल गरमा गया है। दरअसल, यूपी विधानसभा चुनाव 2022 के पहले मनोज यादव के घर पर आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा था। उस समय यह मामला काफी सुर्खियों में रहा था। इससे पहले वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले भी सीजीएसटी की विजिलेंस टीम ने मनोज यादव के ठिकानों पर जांच की थी। मनोज यादव घिरोर ब्लाक के प्रमुख भी रह चुके हैं। मनोज यादव ने अपने इस्तीफे का कारण भी बताया है। उन्होंने लिखा है कि वह जिले के स्थानीय नेताओं की आपसी कलह और चाटुकार नेताओं के बढ़ते वर्चस्व से दुखी होकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने यूपी की 80 में से 16 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। इनमें मैनपुरी से डिंपल यादव को एक बार फिर चुनावी मैदान में उतारने का फैसला लिया गया है। वहीं, बदायूं लोकसभा सीट से धर्मेंद्र यादव चुनावी मैदान में उतरेंग। एटा से देवेश शाक्य, उन्नाव से अन्नू टंडन, लखनऊ सीट से रविदास मेहरोत्रा और अकबरपुर से राजाराम पाल को टिकट दिया गया है। संभल से वर्तमान सांसद शफीकुर्रहमान बर्क पर अखिलेश का भरोसा कायम है। वहीं, फिरोजाबाद से अक्षय यादव सपा के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरेंगे। लखीमपुर खीरी लोकसभा सीट से उत्कर्ष वर्मा चुनाव लड़ेंगे। धौरहरा से आनंद भदौरिया, फर्रुखाबाद से डॉ. नवल किशोर शाक्य, बांदा लोकसभा सीट से पार्टी ने शिवशंकर सिंह पटेल को सपा ने टिकट दिया है। फैजाबाद से अवधेश प्रसाद, अंबेडकरनगर से लालजी वर्मा, बस्ती से रामप्रसाद चौधरी और गोरखपुर से काजल निषाद उम्मीदवार हैं।

छोटे दलों के साथ आएगी बसपा

बसपा नेताओं के मुताबिक, हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो), जबकि छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोगपा) से गठबंधन की बात अंतिम दौर में है। गठबंधन कर बसपा हरियाणा की छह सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार सकती है। मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद इस संबंध में विभिन्न क्षेत्रीय दलों से बात कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मायावती ने आकाश को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड छोड़कर दूसरे राज्यों में बसपा की ताकत ब?ाने का जिम्मा सौंप रखा है। बसपा के इस समय कुल 10 सांसद हैं जो सभी यूपी से चुनाव जीते हैं। अन्य राज्यों से बसपा का एक भी सांसद नहीं है।

नारे से पीछे हटने की चली कवायद

बसपा सुप्रीमो मायावती में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। यह बदलाव मायावती के हाल के कई बयानों से भी साफ जाहिर होता है। मायावती अब उन राजनीतिक नारों से पीछा छुड़ाती दिख रही हैं, जिनके सहारे वे उत्तर भारत में दलितों और अति पिछड़े वर्गों यानि बहुजन समाज की शीर्ष नेता और देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री भी बनीं। नब्बे के दशक में बसपा के चर्चित नारों से किनारा करते हुए अब मायावती कह रही हैं कि ये नारे तो समाजवादी पार्टी ने बसपा को बदनाम करने के लिए गढ़े थे। नारों की बात की जाये तो छह दिसंबर 1992 को बाबरी ढांचा ध्वंस के बाद 1993 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में मुलायम सिंह यादव की समाजवादी पार्टी और कांशीराम की बहुजन समाज पार्टी के बीच ऐतिहासिक गठबंधन हुआ था। इस दौरान एक नारा खूब चर्चित हुआ था, 'मिले मुलायम-कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम'। इस नारे का जिक्र करते हुए कुछ समय पूर्व मायावती ने ट्वीट किया कि वास्तव में उत्तर प्रदेश के विकास और जनहित की बजाय जातिद्वेष एवं अनर्गल मुद्दों की राजनीति करना समाजवादी पार्टी का स्वभाव रहा है। वह एक अन्य ट्वीट में कहती हैं कि अयोध्या, श्रीराम मंदिर और अपर कास्ट समाज आदि से संबंधित जिन नारों को प्रचारित किया गया था वे बसपा को बदनाम करने की सपा की सोची समझी साजिश थी। अतः सपा की ऐसी हरकतों से ख़ासकर दलितों, अन्य पिछड़ों और मुस्लिम समाज को सावधान रहने की सख़्त जरूरत है। पुराने नारों से पीछा छुड़ाने की मायावती की यह कोशिश दिखाती है कि वे भविष्य में बीजेपी में तरफ जा सकती हैं। ठीक उसी तरह जैसा वे पहले कर चुकी हैं, लेकिन अब उनके मुंह से 'मनुवादी' शब्द सुनने को नहीं मिलता जो पहले उनका प्रिय शब्द था। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि वे इस लाइन पर राजनीति करके अपनी पार्टी के लिए सफलता की उम्मीद कर रही हैं या उनके दिमाग में और कुछ चल रहा हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भारत-अमेरिका में सब ठीक नहीं चल रहा!

> "पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। वह भारत का घोषित आतंकवादी है, जो सिख फार जस्टिस नाम के आतंकवादी संगठन का घोषित सरगना भी है। वह कनाडा और अमेरिका जैसे कई देशों में खालिस्तान के लिए तथाकथित जनमत संग्रह भी कराता रहता है। वह अपने बयानों में भारत में हिंसा की धमकी देता रहता है।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका ने भारत को 31 एमक्यू-9ए सी गार्जियन और स्काई गार्जियन ड्रोन की डिलीवरी रोक दी है। अमेरिका ने शर्त रखी है कि जब तक भारत सरकार खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश की सार्थक जांच नहीं कर लेती, तब तक इन ड्रोन की डिलीवरी नहीं की जाएगी। पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। वह भारत का घोषित आतंकवादी है, जो सिख फार जस्टिस नाम के आतंकवादी संगठन का घोषित सरगना भी है। वह कनाडा और अमेरिका जैसे कई देशों में खालिस्तान के लिए तथाकथित जनमत संग्रह भी कराता रहता है। वह अपने बयानों में भारत में हिंसा की धमकी देता रहता है। रिपोर्ट में लिखा है कि भारत ने 3 बिलियन डॉलर में भारतीय नौसेना के लिए 15 सी गार्डियन भारतीय वायु सेना और सेना के लिए आठ-आठ स्काई गार्जियन ड्रोन की खरीद की है। यह भी दावा किया गया है कि अमेरिका ने इस ड्रोन के अलावा भारत को बेचे जाने वाले छोटे-छोटे अधिग्रहणों को भी रोक दिया है, जिसमें छह बोइंग पी-8 आई लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान खरीदने का प्रस्ताव भी शामिल है। ये 12 पी-8आई पोसीडॉन विमानों के पूरक हैं, जिन्हें भारतीय नौसेना पहले से ही संचालित कर रही है।

रिपोर्ट में लिखा है कि अब रूकी हुई ड्रोन खरीद के लिए मंजूरी भारतीय रक्षा मंत्रालय की आंतरिक मंजूरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन की राजकीय यात्रा से एक हफ्ते पहले जून 2023 में दी गई थी। अमेरिका का दावा है कि पिछले नवंबर में सार्वजनिक किए गए एक संघीय अभियोग के अनुसार, पन्नू को मारने की साजिश - कथित तौर पर सीसी-1 नाम के एक भारतीय सुरक्षा अधिकारी ने शुरू की थी। रिपोर्ट में वाशिंगटन के एक अज्ञात हाई प्रोफाइल सूत्र से मिली जानकारी के आधार पर दावा किया गया है कि पन्नू की हत्या के प्रयास पर गुस्से के कारण यह खरीद अमेरिकी कांग्रेस में अटकी हुई है। अमेरिकी प्रतिनिधियों ने बिक्री को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक विधायी आंदोलन को रोक दिया है। दावा किया गया है कि यह अज्ञात सूत्र अमेरिकी नीति निर्धारण के शीर्ष स्तर पर काम करता है। इसकी पहचान इसलिए गुप्त रखी गई है, क्योंकि वह मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं है। इस सूत्र के हवाले से भारत को इन घातक, लंबी दूरी के हथियारों की आपूर्ति में देरी के बारे में बताते हुए कहा गया है कि भारतीय-अमेरिकी सांसद विशेष रूप से निखिल गुप्ता नामक एक भारतीय के अभियोग के परिणामों के बारे में गहराई से चिंतित हैं। उन पर औपचारिक रूप से पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गयाराम व पलटूरामों के रहमोकरम पर लोकतंत्र

विश्वनाथ सचदेव

आधी सदी से कुछ ज्यादा ही पुरानी बात है। हरियाणा के पलवल चुनाव क्षेत्र से 1967 में गया लाल नामक उम्मीदवार ने चुनाव जीता था। स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतने के तत्काल बाद उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। फिर एक दिन के भीतर-भीतर उन्होंने तीन बार पाला बदला। कांग्रेस से जनता पार्टी में, फिर वापस कांग्रेस में और फिर जनता पार्टी में। इसी 'खेल' में जब उन्हें एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पत्रकारों के समक्ष पेश किया गया तो सम्बन्धित नेता ने कहा था 'गया राम अब आया राम हो गये हैं'। तभी से दल बदलुओं के लिए एक मुहावरा बन गया।

आज जिस संदर्भ में यह चर्चित किस्सा याद आ रहा है, उसका सम्बंध 'दल बदल' से तो नहीं, पर 'सरकार-बदल' से जरूर है। और इस प्रक्रिया में गया राम को पलटूराम की संज्ञा दी गयी है। बिहार की महागठबंधन की सरकार के मुखिया नीतीश कुमार ने फिर पलटी मार कर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार बना ली है। डेढ़ साल पहले ही वे अपने दल जदयू के साथी दल भाजपा का दामन छोड़कर लालू प्रसाद यादव की पार्टी के साथ मिले थे, मिलकर सरकार बनायी थी। तब उन्होंने कसम खायी थी कि मर जाऊंगा पर भाजपा के साथ फिर नहीं जाऊंगा। उस कसम का क्या हुआ, वही जानें, पर नीतीश कुमार आज फिर यह कह कर भाजपा के साथ हो गये हैं कि 'अब इधर-उधर नहीं जाना है'। इधर-उधर से उनका क्या मतलब है, यह बात समझना भी आसान नहीं हैं। उनका इतिहास बताता है कि वे कब पलटी खा जाएं, पता नहीं। हां, अब इतना सबको पता है कि 'गया राम' की तरह ही 'पलटू राम' भी भारतीय राजनीति का हिस्सा बन गया है। भारत का जागरूक नागरिक इन पलटू रामों से पूछ रहा है- 'यह बता कि काफिला क्यों लुटा?' और यदि नहीं पूछ रहा है तो उसे पूछना चाहिए यह सवाल। विडम्बना यह भी है कि हमारे नेता, चाहे वे किसी भी रंग के क्यों न हों, इधर-उधर की बात करके मतदाता को भरमाने में महारत हासिल कर चुके हैं। झूठे वादे और दावे उनके लिए किसी भी प्रकार की शर्म का कारण नहीं बनते। मतदाता को भले ही कभी इस बात पर शर्म आ जाये कि उसने दल बदलू या पलटूराम का समर्थन क्यों किया था, पर हमारा नेता इस बात की कोई आवश्यकता नहीं समझता कि वह अपने मतदाता को बताये कि उसने जो कुछ किया है, वह क्यों किया है। विडम्बना यह भी है कि हमारी राजनीति में राजनीतिक शुचिता के लिए शायद ही कहीं कोई स्थान बचा है।

जनतंत्र एक ऐसी शासन-व्यवस्था है

जिसमें शासन से यह अपेक्षा की जाती है कि वह घोषित नीतियों और दावों-वादों के अनुरूप कार्य करेगा। हां, चुनावों से पहले ऐसा करने की घोषणाएं जरूर की जाती हैं, पर फिर बड़ी आसानी से उन्हें भुला दिया जाता है। मान लिया जाता है कि जनता की याददाश्त बहुत कमजोर होती है! जनतंत्र का तकाजा है कि जनता अपनी याददाश्त मज़बूत बनाये रखे। तभी जनतंत्र सफल हो सकता है, और सार्थक भी। 'जनता की, जनता के लिए और जनता द्वारा' जो सरकार बनती है, उसकी सफलता-सार्थकता का आधार यही है कि जनता अनवरत सजग रहे, न केवल अपने नेताओं की कथनी-करनी को लेकर, बल्कि अपने अधिकारों-दायित्वों के प्रति भी। इसीलिए यह सवाल उठता है कि क्या हमें किसी 'गयाराम' या 'पलटूराम' से उसके किये-करे की कैफियत नहीं पूछनी चाहिए?

जनतंत्र में राजनीति के खिलाड़ी अपनी घोषित-नीतियों, वादों और दावों के आधार पर चुनाव जीतते-हारते हैं। भले ही हमेशा ऐसा हो नहीं, पर ऐसा माना जाता है कि चुनाव नीतियों के आधार पर ही होते हैं। माना यह भी जाता है कि चुनाव जीतने वाला इन नीतियों के अनुसार अपना आचरण रखेगा। अपनी घोषित नीतियों पर टिका रहेगा। पर ऐसा अक्सर होता नहीं। अक्सर राजनेता अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए जनतंत्र की मूल भावना के साथ छल करते दिखाई देते हैं। दल-बदलुओं का आचरण इसी का उदाहरण है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए कुछ भी करने को राजनीति की विवशता कहना-मानना वस्तुतः जनता के साथ विश्वासघात ही है। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ हमारे देश में ही होता है। लेकिन यह कहकर कि दुनिया के अन्य कई जनतांत्रिक देशों में भी यह 'बीमारी' है, हम अपनी बीमारी की गम्भीरता को कम नहीं आंक सकते। इसीलिए हमने लगभग चालीस साल पहले दल-बदल कानून की आवश्यकता को समझा था और 52वें संशोधन के तहत यह कानून बनाया गया था। फिर सन् 2003 में 91वें संशोधन के तहत इस कानून को कुछ और ताकतवर बनाया गया। पर बीमारी का मुकम्मल इलाज नहीं हो पाया। लेकिन इलाज तो करना होगा। लेकिन कैसे?

इस प्रश्न का उत्तर आसान नहीं है। लेकिन जनतंत्र की सफलता का तकाज़ा है कि इलाज की कोशिशें जारी रहें। यह अपने आप में एक विडम्बना ही है कि ऐसी कोशिशों के तहत जिस दिन लोकसभा के अध्यक्ष ने दलबदल-विरोधी कानून पर पुनर्विचार करने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के नेतृत्व में एक समिति गठित करने की घोषणा की, उसी दिन बिहार के 'सुशासन बाबू' ने अपनी गठबंधन की सरकार का त्यागपत्र देकर भाजपा का दामन थाम लिया और वहां नयी सरकार बन गयी! न नीतीश कुमार को इस बात की कोई चिंता थी कि इससे उनकी छवि खराब होगी और न ही दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा ने यह सोचा कि नीतीश कुमार को फिर से अपने साथ लेकर वह एक अनैतिक काम कर रही है! हकीकत तो यह है कि अब हमारी राजनीति में नैतिकता के लिए कोई स्थान बचा ही नहीं है।

रहने को घर नहीं है सारा जहां हमारा!

पंकज चतुर्वेदी

देश के अन्य भागों की तरह राजधानी दिल्ली इन दिनों कड़ाके की सर्दी से ठिठुर रही है। सत्ता के केंद्र इस महानगर में कई लोग जाड़े के कारण दम तोड़ चुके हैं। दिल्ली सरकार आंकड़ों को स्वीकार कर रही है कि पिछले दो सालों की तुलना में इस बार ठंड से मरने वालों की संख्या अधिक है। सरकारी एजेंसियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार एक से 22 जनवरी के बीच दिल्ली में तकरीबन 180 लोग जाड़े के चलते अपनी जान से हाथ धो बैठे। इनमें से 80 फीसद लोग बेघर थे। मरने वालों में 30 प्रतिशत वे थे जो पहले से बीमार थे और यह ठंड झेल नहीं पाए।

सेंटर फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट (सीएचडी) और दिल्ली सरकार की स्वायत्त संस्था दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डुसिब) के साथ मिलकर बेघरों की मौतों का आंकड़ा एकत्रित करते हैं। इसमें दिल्ली पुलिस व अन्य निजी एजेंसियां विभिन्न अस्पतालों के पोस्टमार्टम हाउस में रखे गए शवों की शिनाख्त के जरिए इनकी पहचान करती हैं।

वहीं दूसरी ओर, आश्रयगृहों का हाल यह है कि बुनियादी सुविधाएं बेहाल हैं। आसमान के नीचे जिंदगी असमय मौत का शिकार हो रही है। सरकार का संवेदनशील होना बहुत जरूरी है। सत्ता के केंद्र लुटियंस दिल्ली के कई इलाकों में खुले में रात बिताने वाले दिख जाते हैं। कई ऐसे इलाके हैंग जहां बेघर फुटपाथ पर सोते और अलाव के सहारे रात गुजारते दिख जाएंगे। चिकित्सक बताते हैं कि यदि पेट खाली हो तो ठंड की चोट जानलेवा हो जाती है। दिल्ली सरकार के अनुसार रैनबसेरों में हर रात बीस हजार लोग आश्रय पा रहे हैं।

आश्रयगृहों का हाल यह है कि बुनियादी सुविधाएं बेहाल हैं। आसमान के नीचे जिंदगी असमय मौत का शिकार हो रही है। सरकार का संवेदनशील होना बहुत जरूरी है। सत्ता के केंद्र लुटियंस दिल्ली के कई इलाकों में खुले में रात बिताने वाले दिख जाते हैं। कई ऐसे इलाके हैंग जहां बेघर फुटपाथ पर सोते और अलाव के सहारे रात गुजारते दिख जाएंगे।

इनमें स्थाई भवन केवल 82 हैं। पोर्टा केबिन वाले 103 और अस्थाई टेंट वाले 134 रैनबसेरे सरकारी रिकार्ड में हैं। इसके बावजूद कई फ्लाई ओवर के नीचे हजारों लोग रात काटते मिल जाएंगे। इन रैनबसेरों में मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं। खासकर औरतों के लिए शौचालय, कपड़े बदलने की जगह या अपना सामान सुरक्षित रखने की कोई व्यवस्था है नहीं। इन आश्रयघरों में कोई सुरक्षा की व्यवस्था नहीं है। बहुत से नशेड़ी और असामाजिक तत्व इन पर कब्जा किए हुए हैं। यहां दरियां-चादरें सीलनभरी और चूहों द्वारा कुतरी हुई होती हैं। ऐसे स्थान पर रात बिताने वालों को सांस लेने में तकलीफ होती है। सूखी खांसी, सीने में दर्द और हाथ-पैर सुन्न होने जैसी तकलीफ तो आम शुमार है। सबसे दर्दनाक हालात एम्स व सफदरजंग अस्पताल के पास के हैं, वहां बीमार व उनके साथ आए तिमारदारों की संख्या हजारों में है, जबकि दो रैनबसेरों की क्षमता बामुश्किल 150 है। लोग सारी रात भीगते दिखते हैं ओस व कोहरे में। नए बीमार अस्पताल की शरण में चले जाते हैं। मीना बाजार व जामा मस्जिद के रैनबसेरों में सात से आठ सौ लोगों के सोने की जगह है। दिल्ली की त्रासदी है कि यहां के रैनबसेरे गैर-सरकारी संगठनों के बदौलत हैं और वहां काम करने वाले कर्मचारी बहुत मामूली वेतन पाते हैं। सरकारी प्रश्रय वाले संगठनों को ये रैनबसेरे बांट दिए जाते हैं और फिर कोई उनकी सुध लेता नहीं। एक तो कड़ाके की ज्यादा ठंड, ऊपर से न ओढ़ने-बिछाने को पर्याप्त साधन, न ही पौष्टिक भोजन, न्यूनतम स्वास्थ्य सेवा की तो बात ही क्या की जाए। अनुमान है कि दिल्ली और उससे सटे यूपी-हरियाणा के जिले, जिन्हें एनसीआर कहा जाता है, में कोई दो लाख लोग बेघर हैं। हाल ही में गाजियाबाद में तो प्रशासन ने आदेश दिया है कि रैनबसेरों में रहने वालों की नियमित स्वास्थ्य जांच हो। दिल्ली के सब्जी मंडी मोर्चरी के रिकार्ड में दर्ज है कि वहां रखे लावारिस शवों में सात-आठ ऐसे हैं जो जाड़े और भूख की दोहरी मार के कारण मारे गए।

आखिर इतने सारे लोग क्यों आसमान तले सोते हैं? इसके पीछे सोच यह भी है कि झुग्गी लेंगे तो कहीं दूर से आना होगा। फिर आने-जाने का खर्च बढ़ेगा, समय लगेगा और झुग्गी का किराया देना होगा सो अलग। राजधानी की सड़कों पर कई तरह के भारी ट्रैफिक पर पाबंदी के बाद लाल किले के सामने फैले चांदनी चौक से पहाड़गंज तक के सीताराम बाजार और उससे आगे मुल्तानी ढांडा व चूना मंडी तक के थोक बाजार में सामान के आवागमन का जरिया मजदूरों के कंधे व रेहड़ी ही रह गए हैं। यह काम कभी देर रात होता है तो कभी अलसुबह। ऐसे में उन्हीं मजदूरों को काम मिलता है जो वहां तत्काल मिल जाएं। फिर यदि काम करने वाला दुकान का शटर बंद होने के बाद वहीं चबूतरे या फुटपाथ पर सोता हो तो बात ही क्या है? मुफ्त का चौकीदार। अब सोने वाले को पैसा रखने की कोई सुरक्षित जगह तो है नहीं, यानी अपनी बचत भी सेठजी के पास ही रखेगा। एक तो पूंजी जुट गई, साथ में मजदूर की जमानत भी हो गई। बहुत से लोग तो रैनबसेरे में इस लिए नहीं घुस पाते क्योंकि उनके पास आधार कार्ड नहीं होता।

एक गैर-सरकारी संगठन की सर्वे रिपोर्ट से पता चलता है कि इन बेघरों में से 23.9 प्रतिशत लोग ठेला खींचते हैं व 19.8 की जीविका का साधन रिक्शा है। इसके अलावा ये रंगाई-पुताई, कैटरिंग, सामान की ढुलाई, कूड़ा बीनने, निर्माण कार्य में मजदूरी जैसे काम करते हैं। कुछ बेहतरीन सुनार, बढ़ई भी हैं। इनमें भिखारियों की संख्या 0.25 भी नहीं थी। ये सभी सुदूर राज्यों से काम की तलाश में यहां आए हुए हैं।

पाचन क्रिया को ऐसे बनाएं मजबूत

पेट को मस्त रखता है केला

केला खाने से एनर्जी मिलती है और सूजन कम होती है। हर रोज सुबह या शाम 4 से 6 बजे के बीच नाश्ते के रूप में एक केला खाएं। केले में फाइबर और इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं जो गैस और सूजन को कंट्रोल रखते हैं। अपनी दही में 3-4 काली किशमिश मिलाकर प्रीबायोटिक और प्रोबायोटिक गुणों के मिश्रण से अपने पाचन को बढ़ाएं। यह सिरदर्द और एसिडिटी को खत्म करता है और पाचन समस्याओं से हुई शरीर में बी12 की कमी को पूरा करने में भी मदद करता है।

एक्टिव रहें

प्रतिदिन 30 मिनट की सैर करें क्योंकि पैदल चलने से पाचन में मदद मिलती है। एक्टिव रहने से वात को कंट्रोल रखने में हेल्प मिलती है। दोपहर को 15-20 मिनट की छोटी झपकी जरूरी लें। आपको अपने कैफीन सेवन पर भी ध्यान देना चाहिए। 3 या 4 बजे के बाद अत्यधिक चाय और कॉफी से बचना चाहिए। 2-3 कप से अधिक पीने से कब्ज या दस्त हो सकता है। यदि आप एक्टिव नहीं रहते हैं तो बहुत सी बीमारियां आपको घेर सकती हैं। यदि आप नियमित एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे हैं तो रोजाना चलने की आदत जरूर डालें। एक्सक्लेटर का उपयोग करने की बजाय जीना चढ़ें। अगर आपका ऑफिस आपके घर से पास है तो हो सके तो पैदल चलकर अपने ऑफिस जाए। ऐसा करने से काफी सारी कैलोरी बर्न होगी और आप रहेंगे फिट और एक्टिव।

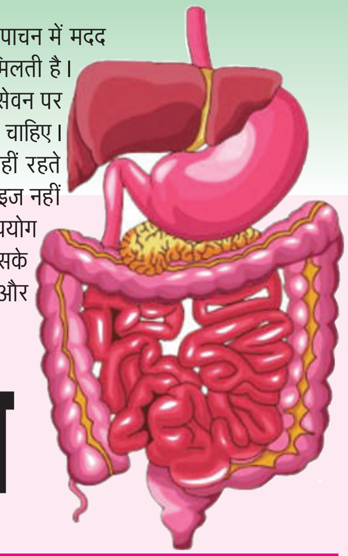

कब्ज, अपच और पेट फूलना होगा बंद

खराब खाना और सुस्त जीवनशैली की वजह से गैस, एसिडिटी, अपच, कब्ज और पेट फूलने सहित पेट की कई बीमारियां हो सकती हैं। पेट से शुरू होने वाली बीमारियों के लिए पेट को स्वस्थ बनाए रखना जरूरी है। घी, गुड़ और केले का उपयोग करके पेट को स्वस्थ रखने के घरेलू उपायों का इस्तेमाल करें। गुड़ और घी का सेवन पाचन को सुचारू बनाता है, जबकि केला एनर्जी प्रदान करता है और सूजन को कम करता है। दही में काली किशमिश मिलाकर प्रीबायोटिक और प्रोबायोटिक गुणों का सेवन करें, जो पाचन को बढ़ाने और शरीर की बी12 की कमी को पूरा करने में मदद करता है। साथ ही, एक्टिव रहें और कैफीन की मात्रा पर ध्यान दें। सर्दियों का मौसम है और इन दिनों यह समस्याएं और ज्यादा बढ़ जाती हैं। एक बात हमेशा ध्यान में रखनी चाहिए कि अधिकतर बीमारियां पेट से शुरू होती हैं। अगर आपका पाचन या पेट खराब है, तो आपकी सेहत जल्दी खराब हो सकती है। पेट के विकारों के लिए बार-बार दवाओं का इस्तेमाल भी सेहत को और ज्यादा प्रभावित कर सकता है। ऐसे में यह जरूरी है कि पेट के स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए आप कुछ घरेलू उपाय ही आजमाएं।

एसीडिटी से बचने के लिए करें ये उपाय

● अजवाइन है फायदेमंद

अजवाइन एसिडिटी की समस्या से छुटकारा दिलाने में बेहद कारगर है। जिन लोगों को एसिडिटी की प्रॉब्लम है, अजवाइन का पानी पी सकते हैं। इसके लिए एक बाउल में पानी लें, इसमें 2-3 चम्मच अजवाइन और काला नमक मिलाएं। इसे उबाल लें, जब यह गुनगुना हो जाए, तो पी सकते हैं।

● हींग है गुणकारी

आपके घर के किचन में मौजूद हींग गैस की समस्या से राहत दिलाने में कारगर है। इसके लिए हल्के गर्म पानी में हींग मिलाएं। इसे पिने से एसिडिटी की समस्या से राहत मिल सकती है।

● अदरक का पानी

अदरक में मौजूद गुण एसिडिटी को कम करने में मददगार है। इसके लिए अदरक के टुकड़ों को पानी में उबाल लें, जब यह गुनगुना हो जाए, तो इसे छानकर पी सकते हैं।

● छाछ का सेवन करें

अगर आपको गैस की समस्या है, तो छाछ पी सकते हैं। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड एसिडिटी को कम करने में सहायक माना जाता है। छाछ का सेवन सेहत को काफी लाभ पहुंचाता है। क्योंकि छाछ पोषक तत्वों से भरपूर होता है। छाछ में विटामिन्स, प्रोटीन, पोटैशियम, फॉस्फोरस, गुड बैक्टीरिया, लैक्टिक एसिड, कैल्शियम जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो इम्यूनिटी को बूस्ट करते हैं, साथ ही स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में भी मदद करते हैं।

● काली मिर्च का सेवन करें

अगर आपको गैस की समस्या है, तो काली मिर्च का सेवन कर सकते है। इसके लिए आप दूध में काली मिर्च मिलाकर पी सकते हैं।

दोपहर में गुड़ और घी खाएं

गुड़ खाने से सेहत को अनगिनत फायदे होते हैं। आप अपने दोपहर के भोजन में एक चम्मच गुड़ और घी शामिल कर सकते हैं। यह आपके पाचन को सुचारू बनाता है। घी से शरीर को हेल्दी फैट मिलता है और गुड़ आपकी चीनी की लालसा को कम करने में मदद करता है और पोषक तत्व प्रदान करता है।

हंसना मना है

एक इंसान (दूसरे इंसान से)-आ जाओ, कुत्ते से डरो नहीं। पहला व्यक्ति-'क्यों, आपका कुत्ता काटता नहीं? दूसरा व्यक्ति-यही देखने के लिए तो आपको बुलाया है।

बुढ़िया (डांक्टर से)-दांत निकाल दीजिए। डॉक्टर-मुंह खोलो। बुढ़िया-लो खोल दिया। डॉक्टर-थोड़ा और खोलो। बुढ़िया ने थोड़ा मुंह और खोल दिया। डॉक्टर-थोड़ा और खोलो। बुढ़िया-क्या मुंह में बैठकर ही दांत निकालने का विचार है?

पार्टी में एक सज्जन ने पास खड़े इंसान से कहा-'औरत भी अजीब वस्तु है। कुछ देर पहले तक वह सामने वाली स्त्री मुझे देख मुस्करा रही थी और अब ऐसे घूर रही है, जैसे कच्चा ही चबा जाएगी। जी हां, मेरी पत्नी का मूड इसी तरह बदलता रहता है। नजदीक खड़े इंसान ने उत्तर दिया।

एक दोस्त ने दूसरे दोस्त से पूछा-'यार तुम्हारी बीबी काफी खूबसूरत एवं सुशील है, फिर आप उससे तलाक क्यों लेना चाहते हो? दूसरे दोस्त ने जवाब दिया-भाई, जो जूता मैंने पहना है, वह भी काफी खूबसूरत दिखता है, पर केवल मैं ही जानता हूं कि ये मुझे काटता भी है, आप तो नहीं जानते।'

कहानी | धोबी का गधा

किसी एक गांव में एक धोबी अपने गधे के साथ रहता था। वह रोज सुबह अपने गधे के साथ लोगों के घरों से गंदे कपड़े लाता और उन्हें धोकर वापस दे आता। यही उसका दिनभर का काम था और इसी से उसकी रोजी-रोटी चलती थी। गधा कई सालों से धोबी के साथ काम कर रहा था और समय के साथ-साथ अब वह बूढ़ा हो गया था। बढ़ती उम्र ने उसे कमजोर बना दिया था, जिस वजह से वह ज्यादा कपड़ों का वजन नहीं उठा पाता था। एक दोपहर, धोबी अपने गधे के साथ कपड़े धोने धोबी घाट जा रहा था। धूप तेज थी और गर्मी की वजह से दोनों की हालत खराब हो रही थी। गर्मी के साथ-साथ कपड़ों के अधिक वजन के कारण गधे को चलने में परेशानी हो रही थी। वो दोनों घाट की तरफ जा ही रहे थे कि अचानक गधे का पैर लड़खड़ाया और वह एक गहरे गड्ढे में गिर गया। अपने गधे को गड्ढे में गिरा देख धोबी घबरा गया और उसे बाहर निकालने के लिए जतन करने लगा। बूढ़ा और कमजोर होने के बावजूद, गधे ने गड्ढे से बाहर निकलने में अपनी सारी ताकत लगा दी, लेकिन गधा और धोबी दोनों नाकामयाब रहे। धोबी को इतनी मेहनत करते देख कुछ गांव वाले उसकी मदद के लिए पहुंच गए, लेकिन कोई भी उसे गड्ढे से बाहर नहीं निकाल पाया। तब गांव वालों ने धोबी से कहा कि गधा अब बूढ़ा हो गया है, इसलिए समझदारी इसी में है कि गड्ढे में मिट्टी डालकर उसे यहीं दफना दिया जाए। थोड़ा मना करने के बाद, धोबी भी इस बात के लिए राजी हो गया। गांव वालों ने फावड़े की मदद से गड्ढे में मिट्टी डालना शुरू कर दिया। जैसे ही गधे को समझ आया कि उसके साथ क्या हो रहा है, तो वह बहुत दुखी हुआ और उसकी आंखों से आंसू निकलने लगे। गधा कुछ देर चिल्लाया, लेकिन कुछ देर बाद वह चुप हो गया। अचानक धोबी ने देखा कि गधा एक विचित्र हरकत कर रहा है। जैसे ही गांव वाले उस पर मिट्टी डालते, वह अपने शरीर से मिट्टी को नीचे गड्ढे में गिरा देता और उस मिट्टी के ऊपर चढ़ जाता। ऐसा लगातार करते रहने से गड्ढे में मिट्टी भरती रही और गधा उस पर चढ़ते हुए ऊपर आ गया। अपने गधे की इस चतुराई को देखकर धोबी की आंखों में खुशी के आंसू आ गए और उसने गधे को गले से लगा लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे।

वृषभ

आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें।

कर्क

बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

सिंह

कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला

दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

मकर

विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कुम्भ

समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन

राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | अपकमिंग

भक्षक में भूमि ने बच्चियों के साथ हो रहे दुष्कर्म के विरूद्ध उठाई आवाज

ट्रेलर रिलीज

भूमि पेडनेकर की फिल्म भक्षक का ट्रेलर जारी हो गया है। इसमें अभिनेत्री प्रेस रिपोर्टर का रोल अदा करती नजर आ रही हैं। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म का ट्रेलर देख रोंगटे खड़े हो जाएंगे। रिपोर्टर की भूमिका में भूमि मासूम बच्चियों के साथ हो रहे दुष्कर्म के खिलाफ आवाज उठाती हैं। लेकिन, इस लड़ाई में उन्हें साथ बहुत कम लोगों का मिलता है और अड़चने बड़ी-बड़ी आती हैं। भूमि अपने तीखे तेवरों से न हारती हैं, विचलित होती हैं। लेकिन, समाज से जरूर पूछती हैं, क्या अब भी आप अपनी गिनती इंसानों में करते हैं? या अपने आपको भक्षक मान चुके हैं...? ट्रेलर की शुरुआत में एक बहुत ही मार्मिक सा दृश्य है। एक बालिका गृह के अंधियारे कमरे में मासूम बच्चियां बैठी हैं और एक भक्षक उनसे कहता है, अनाथ का मतलब समझती हो? जिसका कोई नाथ नहीं होता। तुम लोग है या नहीं है किसी को नहीं पता। बच्चियों के साथ यहां दुष्कर्म होता है। इसकी खबर भूमि पेडनेकर को लगती है तो इन बच्चियों को न्याय दिलाने निकलती हैं। इस फिल्म में संजय मिश्रा, सई ताम्हणकर और आदित्य श्रीवास्तव भी हैं। संजय मिश्रा भूमि की लड़ाई में साथ हैं। वहीं, बच्चियों के साथ होने वाले दुष्कर्म बंसी साहू (आदित्य श्रीवास्तव) की शह में होता है। सत्ता की ताकत के आगे पूरा पुलिस सिस्टम और न्याय प्रणाणी किस तरह काम करती है, यह भी ट्रेलर में बखूबी दिखाया गया है। कदम-कदम पर परेशानियों और धमकी के बावजूद भूमि न्याय की लड़ाई जारी रखती हैं। ईमानदारी से काम करने वाले और समाज की सच्चाई को पेश करने वाले पत्रकारों को जान से मारने की धमकी से लेकर अपमान तक, कितनी ही परेशानियों से गुजरना पड़ता है ये भी ट्रेलर में दिखाया गया है। यह फिल्म नौ फरवरी को रिलीज होगी। इसे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। शाहरुख खान और गौरी खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म भक्षक को निर्देशन पुलकित ने किया है। वहीं, गौरी खान और गौरव वर्मा इसके प्रोड्यूसर हैं।

रूमानी सिनेमा मेरी फिल्मों की हिट श्रेणी : शाहिद कपूर

बॉलीवुड | मसाला

कबीर सिंह और 'ब्लडी डैडी' जैसी हिंसक फिल्में करने के बाद अभिनेता शाहिद कपूर अब वापस रूमानी फिल्मों की तरफ लौट रहे हैं। शाहिद कपूर का मानना है कि हाल के बरसों में रूमानी फिल्मों की संख्या घटी है लेकिन फिर भी उन्होंने फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया इसीलिए स्वीकार की क्योंकि रूमानी फिल्म होते हुए भी ये एक अलग बात कहती है। उन्होंने पहली बार इस फिल्म में कृति सेनन, धर्मेंद्र और डिंपल कापड़िया के साथ काम किया है। मेरे मन में हमेशा यह इच्छा रहती है कि अगर कोई काम कर रहा हूं तो कुछ वक्त के लिए उससे बंधा रहूं। पिछले कुछ साल में जो किरदार निभाए वह थोड़े गंभीर और नाटकीय रहे हैं। मुझे लगा कि इस छवि को थोड़ा सा हल्का करना चाहिए। अपने आपको को इतनी गंभीरता से भी नहीं लेना चाहिए। मुझे तलाश थी प्रेम कहानी की, जो मेरी फिल्मों की हिट श्रेणी रही है और जैसी फिल्में लोगों को पहले पसंद आई हैं। मुझे अच्छा लगा काम करके, दर्शक के रूप में खुद मैं इस इस तरह के सिनेमा को बहुत मिस कर रहा था। प्रेम कहानी में नई बात यह होनी चाहिए कि इसमें नया क्या है? हर प्रेम कहानी में कोई न कोई समस्या आती ही रहती है। फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की प्रेम कहानी में बहुत ही अद्वितीय समस्या है। मुझे इस बात की उम्मीद नहीं थी कि इस तरह के विषय पर फिल्म बनाने के लिए कोई कभी सोचेगा भी। मुझे फिल्म की कहानी बहुत ही मनोरंजक और विश्वसनीय लगी। जब मैं फिल्म की स्क्रिप्ट सुन रहा था तो मैं बहुत हंस रहा था। मेरे साथ मेरी एक दोस्त अश्वनी भी हंस हंस कर गिरी जा रही थी। मैंने उनको जिंदगी में इतना हंसते हुए कभी नहीं देखा। इस फिल्म में हम ऐसे रोबोट की बात कर रहे हो जो इंसान के बहुत करीब है। विषय ज्यादा भारी नहीं है। टिपकल फनी लव स्टोरी के अंदर इस चीज को फिल्म में ऐसा जोड़ा गया है जिसमें सारी घटनाएं हो रही, मुझे इस फिल्म में यह बात बहुत अच्छी लगी। मुझे यह भी अनुभव हुआ कि आज के जमाने में हम उस दौर से गुजर रहे हैं जहां पर टेक्नोलॉजी से हमारा सामना होता जा रहा है और हम टेक्नोलॉजी पर निर्भर होते जा रहे हैं।

बिग बॉस के बाथरूम में लगे हैं माइक्रोफोन

ईशा मालवीय का सनसनीखेज खुलासा

बिग बॉस का सीजन 17 हाल ही में खत्म हुआ है। इस शो के कंटेस्टेंट्स भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो गए हैं। इन्हीं में से एक नाम ईशा मालवीय का भी है। उडारियां जैसे सीरियल में नजर आ चुकी ईशा ने हाल ही में भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के साथ एक पॉडकास्ट के दौरान बिग बॉस के घर के कुछ रहस्य साझा किए। अपनी बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि घर के बाथरूमों में माइक्रोफोन लगे हैं, जो बाथरूम का उपयोग करते समय यदि कोई प्रतियोगी कुछ कहता है तो ऑडियो कैप्चर कर लेता है। ईशा ने बताया कि अगर कोई प्रतियोगी बाथरूम के अंदर अपना माइक नहीं पहनता, तब भी वहां मौजूद माइक्रोफोन ऑडियो कैप्चर कर सकते हैं। बातचीत के दौरान भारती और हर्ष ने ईशा से उस वक्त के बारे में सवाल किया जब वीकेंड का वार एपिसोड में उन्हें डांट पड़ी था। ईशा ने बताया कि शुरुआत में जब सलमान खान ने उन्हें डांटा था तो इससे उन्हें दुख हुआ था। वह बहुत रोई और शो छोड़ने के बारे में भी सोचा। अभिनेत्री ने बताया कि वे रोने के लिए बाथरूम में गईं थीं, इसलिए कैमरे में यह कैद नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अब लगता है कि शायद उन्हें सबके सामने रोना चाहिए था, इससे उन्हें दूसरों से सहानुभूति मिल सकती थी। ईशा ने बताया कि करण जौहर की आलोचना ने उन पर भी असर डाला था, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि वे इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकतीं। ईशा ने वह घटना भी याद की जब करण जौहर ने बिग बॉस 17 में मुनव्वर फारुकी की निजी जिंदगी पर चर्चा करने के लिए उनकी आलोचना की थी। उस घटना पर बात करते हुए ईशा ने बताया कि उन्हें कुछ चर्चा करना चाहती हैं। इसलिए, जब आयशा खान ने बात करने में मजा आता है और वे हमेशा कुछ न खुलासा किया कि मुनव्वर ने एक लड़की को प्रपोज किया है, तो उन्होंने तुरंत अपने दोस्तों विक्की जैन और समर्थ जुरेल को सूचित किया। उन्होंने स्वीकार किया कि जिस तरह से उसने इस समाचार साझा किया वह अनुचित लग सकता था। इस पॉडकास्ट के दौरान हर्ष लिम्बाचिया ने ईशा मालवीय की उनके मजबूत व्यक्तित्व और लापरवाह स्वभाव के लिए प्रशंसा की। जवाब में ईशा ने स्वीकार किया कि भले ही लोग उनके उन गुणों की सराहना करते हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि शो में न रोकर उन्होंने गलती की।

अजब-गजब | बेहद जहरीला है ये पौधा, भूलकर भी न लगाएं हाथ!

घातक इतना कि ले सकता है आपकी जान

यूं तो हम लोग अलग-अलग प्रकार के पौधे देखते रहते हैं जिसमें कई प्रकार की विशेषताएं होती हैं किसी में कोई गुण होता है तो किसी में कुछ और, कुछ पौधे हमारे लिए फायदेमंद होते हैं तो कुछ नुकसान दायक भी होते हैं। ऐसा ही दामारा मिल्क-बुश एक बेहद जहीराला पौधा है, जिसे नामीबिया के सबसे जहरीले पौधों में से एक बताया जाता है। ये पौधा इतना घातक है कि आपकी जान भी ले सकता है। अगर आपके हाथों में जख्म है या कहीं पर कट लगा हुआ है, तो इसे भूलकर भी हाथ न लगाएं, क्योंकि जख्म के इसके रस के संपर्क में आने पर जहर शरीर में फैल जाता है और फिर जान भी जा सकती है। अब इसी प्लांट से जुड़ा एक पोस्ट वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर ये पोस्ट यूजर ने किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि नामीबिया में अपनी यात्रा के दौरान आपको दामारा मिल्क-बुश मिल सकता है। यह एक स्थानीय पौधा है, जो उत्तरी नामीब तक ही सीमित है। हालांकि यह एक विषैली झाड़ी है।' स्थानीय समुदाय इसे मेलकबोस के नाम से भी जानता है। रिपोर्ट के अनुसार, दामारा मिल्क-बुश का साइंटिफिक नाम यूफोर्बिया डामराना है। इस पौधे में पतले, भूरे और रसीले तने होते हैं और एक गुच्छा में बढ़ते हैं। यह ऊंचाई में 2 15 मीटर तक बढ़ सकता है और एक जहरीला, दूधिया लेटेक्स पैदा कर सकता है। इसकी शाखाओं की पीले-ब्राउन रंग के कैप्सूल होते हैं, जो फलने के मौसम के दौरान दिखाई देते हैं। यह बताया गया है कि पौधे का जहरीला दूधिया लेटेक्स गैंडे और ओरिक्स को छोड़कर जानवरों और मनुष्यों को मारने में सक्षम है, जो इसे खाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि यह पौधा इतना जहरीला होता है कि अगर आपको कोई खुला घाव है और यह पौधे के संपर्क में आता है, तो जहर आपकी जान ले सकता है। इसके जहर के संपर्क में आने पर जलन, दर्द, फोटोफोबिया और लैक्रिमेशन के लक्षण दिखाई देते हैं। ये लक्षण आमतौर पर इस पौधे के दुधिया रस के संपर्क में आने पर तुरंत दिखाई देने लगते हैं।

ताऊ ने यमराज को दिखाई दिलेरी चलती बुलेट को बनाया खाट

यूं तो हम अलग-अलग किस्म के वीडियो रोजाना ही सोशल मीडिया पर देखते रहते हैं। हालांकि इस बीच में कभी-कभी कुछ ऐसा भी दिखाई दे जाता है कि हम चाहकर भी उसे नजरअंदाज नहीं कर पाते। एक ऐसे ही बुजुर्ग सरदार जी का वीडियो इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है। दरअसल वो अपनी दिलेरी सीधा यमराज को ही दिखा रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक बुजुर्ग का वीडियो तेज़ी से वायरल हो रहा है। वो बाइक को ऑटो पायलट मोड पर लगाकर खुद ऐसे बैठे हैं, मानो चलती बाइक पर नहीं बल्कि किसी खटिया पर आसन जमा रखा हो। न तो उन्होंने अपने हाथों का इस्तेमाल किया है और न ही पैरों का, मज़े से पैर पर पैर रखकर वो हवा में उड़ती बुलेट का मज़ा ले रहे हैं। वायरल हो रहा वीडियो पंजाब प्रांत के पटियाला का बताया जा रहा है। इसे @_kannanjain_ नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। वीडियो को 1000thingsinludhiana नाम के अकाउंट से रीशेयर हुआ है, जिसमें एक बुजुर्ग सरदार जी बुलेट पर बैठे हुए हैं। वीडियो को बाइक के पास से जा रही कार से बनाया गया है। आप देख सकते हैं कि बुजुर्ग ने अपनी आंखों पर काला चश्मा लगाया हुआ है और वो बाइक की सीट को लगभग खटिया बनाकर बड़े ही आराम से बैठा हुआ है। वीडियो को 4 दिन पहले ही शेयर किया गया है और इसे अब तक 3 15 मिलियन यानि 35 लाख से भी ज्यादा लोग देख चुके हैं। वहीं 1 लाख 66 हज़ार से भी ज्यादा लोगों ने इसे पसंद किया है। लोगों ने इस पर जमकर कमेंट भी किए हैं। कोई इसे सरदार जी की आखिरी यात्रा बता रहा है तो कुछ लोगों ने ये भी लिखा है कि मस्क ने टेस्ला की टेक्नोलॉजी इन्हीं से कॉपी की है।

जातीय जनगणना पर राहुल के बयान से जदयू भड़की, कहा–नकली श्रेय ले रहे हैं कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राहुल गांधी के द्वारा मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि क्या वह भूल गए हैं कि जाति जनगणना कब हुई थी? मैंने यह बात 9 पार्टियों की मौजूदगी में कहा था। 2019–20 में मैं विधानसभा से लेकर सार्वजनिक बैठकों तक हर जगह जाति जनगणना करने की बात की। मैंने दोनों सदनों से इसे पास कराया और फिर इसको लेकर हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात भी की। यह सब हमने किया है सब जानते हैं। अब वह नकली श्रेय ले रहे हैं तो मैं क्या कर सकता हूं।

गौरतलब हो कि बिहार में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान आयोजित एक जनसभा में राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा था कि जनता को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए गठबंधन में नीतीश का होना जरूरी नहीं है। यह काम हमारा गठबंधन कर लेगा। राहुल गांधी ने कहा कि मैं नीतीश जी से साफ–साफ कहा था कि देखिए आपको बिहार में जातीय जनगणना करनी पड़ेगी। इस बात को लेकर राजद और कांग्रेस ने नीतीश कुमार पर दबाव डालकर यह काम करवाया।

ललन बोले-झूठ बोल रहे कांग्रेस सांसद

राष्ट्रीय जनता दल से नाता तोड़ कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ नई सरकार बनाई। इस बीच नीतीश कुमार से सबसे नजदीक रहने वाले जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने पनी चुप्पी तोड़ी है और सीधा राहुल गांधी पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी, आपने कहा है कि आपके दबाव में बिहार में जाति आधारित गणना करवाई गई। इतना बड़ा असत्य हो ही नहीं सकता। अगर असत्य का सहारा

लीजिएगा तो प्रधानमंत्री बनने का आपका सपना कभी पूरा नहीं हो पाएगा। आगे कुछ ऐसा भी कहा जिसे दुहराना भी संभव नहीं। दरअसल ललन सिंह ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी पर जमकर हमला किया। शायद आपको पता नहीं है कि नीतीश कुमार जी, कभी किसी के दबाव में काम नहीं करते हैं। जाति आधारित गणना, नीतीश कुमार जी का निश्चय था और यह मुद्दा नीतीश कुमार जी ने स्वर्गीय वी. पी. सिंह जी के प्रधानमंत्रित्व काल में भी उठाया था, जब आपका राजनीतिक उदय भी नहीं हुआ था। आपकी तो हालत यह है कि बेंगलुरु और मुंबई की बैठक में जब जनता दल (यूनाइटेड) की तरफ से प्रस्ताव पास करने को कहा गया, तब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी ने इसका विरोध किया और आपने मौन रहकर उनका समर्थन किया। देश की राजनीति में कुछ पाने के लिए असत्य कथन का सहारा मत लीजिए। यही कारण है कि आपकी कांग्रेस पार्टी दिनों-दिन सिकुड़ती जा रही है।

2005 से पहले के हालात भूले नहीं हैं : मुख्यमंत्री

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आप भूल गए कि 2005 से पहले कितने लोगों को रोजगार मिला था। आप भूल गए 2005 से पहले क्या हाल था। 2005 से पहले के हालात को आपलोग भूल गए? इनलोगों का राज जब था तो क्या होता था? शाम के वक्त घर से कोई निकलता था ? पहले यहां कोई विकास कार्य नहीं होता था जब हम आए तभी अच्छे और बड़े भवनों का निर्माण कार्य शुरू करवाया। लोगों को इलाज के लिए सारी व्यवस्थाएं की गईं। अच्छी सड़कों और पुल-पुलियों का निर्माण कार्य शुरू हुआ। जब हम सांसद थे और केंद्र में मंत्री थे तब 12-12 घंटे अपने इलाके में घूमते थे लेकिन सड़कें खराब रहने के कारण पैदल चलना पड़ता था लेकिन अब यह स्थिति नहीं है। अब लोग गाड़ियों पर बैठकर सुविधापूर्वक आवागमन कर रहे हैं। हम लोगों ने गांवों में पक्की गली और नाली का निर्माण करवाया। सब काम मेरा करवाया हुआ है। कुछ लोगों को केवल पब्लिसिटी चाहिए। पहले कहीं कोई बहाली होती थी।

हमारी प्राथमिकता सबसे पहले युवाओं को नौकरी देने की रही : मनोज झा

राजद सांसद मनोज झा ने कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2022 में यह कहा कि हमारी पार्टी को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। इसको लेकर मैं बहुत परेशान हूं। इसके जवाब में तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी एक शर्त है और शर्त यह है कि हमारी प्राथमिकता सबसे पहले युवाओं को नौकरी देने की है। उस समय नीतीश कुमार को प्रोटेक्ट किया गया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले बिहार के युवाओं को नौकरी और रोजगार देनी होगी। बिहार की चर्चा पूरे देश में किसी अन्य कारणों से होती थी यह सब जानते हैं। लेकिन, पहली बार बिहार में चर्चा तब हुई जब लाखों लोगों को बिहार में नौकरियां दी गई और इसका श्रेय जाता है तेजस्वी यादव को। तेजस्वी यादव का यह कमिटमेंट था। बिहार के हर गांव के व्यक्ति को नौकरी मिली है। साथ ही यह भी कहा कि लगभग ढाई लाख नौकरियों की प्रोसेस तेजस्वी यादव कर चुके हैं लेकिन उसे जानबूझकर कैबिनेट में पास नहीं किया जा रहा है। इसलिए मैं नीतीश कुमार से कहना चाहता हूं कि राजनीति के कारण उन नियुक्तियों को रोका न जाए। वहीं जातीय गणना को लेकर मनोज झा ने कहा कि तेजस्वी यादव ने ही आगे बढ़कर जनजातीय जनगणना करवाया था। इससे पहले जब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने जातीय गणना क्यों नहीं करवाई। विधान मंडल में सबसे पहले आवाज तेजस्वी यादव ने ही आवाज उठाई थी।

वाह रे यूपी की कानून व्यवस्था

कोर्ट की सख्ती के बाद जागी पुलिस

भाजपा सांसद कीर्तिवर्धन पर डकैती का केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। वाह रे यूपी पुलिस कहां तो कहती है कि कोई भी अपराधी नहीं बच सकता हो चाहे वह जितना भी पहुंच वाला हो, पर उसके उलट वह सत्ता से जुड़े भाजपा के सांसद के गेभी डकैती के मामले में केस नही दर्ज कर रही थी। उसने केस तब लिखा जब हाईकोर्ट की ओर सख्ती की गई।

अदालत के हस्तक्षेप के बाद स्थानीय भाजपा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह और दो पुलिस निरीक्षकों समेत 12 के खिलाफ मनकापुर कोतवाली में डकैती व अन्य संगीन आरोपों में केस दर्ज कर लिया। गुरुद्वारे पर कब्जा, मारपीट व लूट के बहुचर्चित मामले में 18 जनवरी को गोंडा के एमपी–एमएलए कोर्ट ने केस दर्ज करने का आदेश दिया था। लेकिन पुलिस चुप्पी साधे बैठी रही। मनमानी देख पीड़ित पक्ष ने हाईकोर्ट में अपील की। इसपर हाईकोर्ट निबंधक कार्यालय ने एसपी को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। तब 12 दिन बाद जिम्मेदार हरकत में आए। इसी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने आरोपी तत्कालीन कोतवाल सुधीर सिंह व अपराध निरीक्षक अरुण राय को जिला बदर करने का आदेश दिया था। इन दोनों को भी नामजद किया गया है। पीड़ित गुरबचन कौर ने बताया कि मनकापुर के मोहल्ला भगत सिंह नगर में उनका मकान व गुरुद्वारा है। 13 सितंबर, 2023 को सांसद के समर्थकों के साथ मिलकर सुधीर सिंह और अरुण राय ने उसपर कब्जा करा दिया।

सुबह से प्रदेश में हो रही हल्की बारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वृहस्पतिवार की सुबह से यूपी और एनसीआर में हल्की बारिश हो रही है। इसी के साथ दो दिन से पारे में दिख रहे चढ़ाव का उतार देखा गया और एकबार फिर ठंड बढ़ गई। हालांकि ठंड ठिठुराने वाली नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार एक दो दिन ऐसे ही मौसम रहेगा फिर धूप खिलने लगेगी और ठंड सेभी राहत मिलने लगेगी। इस साल की जनवरी में दिन का तापमान सामान्य से कम रहा।

लखनऊ में तो दस साल का रिकॉर्ड टूट गया। 2024 की जनवरी में बीते दस सालों में सबसे ठंडी रही। मौसम विभाग के मुताबिक माह भर के औसत तापमान पर नजर डालें तो राजधानी में यह 17.4 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से 3.9 डिग्री कम था। जनवरी बीतते–बीतते मौसम ने करवट ले ली। बुधवार रात बादलों ने डेरा डाल दिया है। बृहस्पतिवार को बूंदाबांदी के आसार हैं। बुधवार को दिन का तापमान 25.5 और रात का 10.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मंगलवार की अपेक्षा दोनों में लगभग दो डिग्री तक की बढ़त रही। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, फरवरी में अलनीनो से स्थितियां कमजोर पड़ सकती हैं। इसके चलते औसत अधिकतम तापमान व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार हैं। पश्चिमी यूपी के बागपत, नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर और मुरादाबाद में बुधवार को बारिश हुई। वहीं, मध्य यूपी और अवध के कई हिस्सों में पारा चढ़ गया है। बृहस्पतिवार को भी कई क्षेत्रों में बारिश के आसार हैं। शुक्रवार को इसमें ब्रेक लगेगा, लेकिन शनिवार को फिर ऐसा ही मौसम रह सकता है। मौसम विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि बीती जनवरी सामान्य से ठंडी रही।

दो-तीन दिन में कम होगी ठंड

बिजली व बारिश का अलर्ट

बहराइच के अलावा तराई क्षेत्र व पश्चिम यूपी के कई इलाकों में बृहस्पतिवार को बिजली गिरने व बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जनवरी में यदि अधिकतम तापमान का औसत देखें तो बरेली में सबसे ठंडे दिन रहे। यहां अधिकतम तापमान का औसत 14.1 रहा, जो कि सामान्य के 19.5 डिग्री सेल्सियस की तुलना में 5.4 डिग्री कम रहा। बिजनौर दूसरे नंबर पर रहा, यहां औसत अधिकतम तापमान 14.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

आर. अश्विन टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर जमे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिक्रकेट परिषद) की ओर से जारी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में रविचंद्रन अश्विन अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जबकि हमवतन जसप्रीत बुमराह चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में भारत की 28 रन की हार के दौरान अश्विन ने मैच में छह विकेट झटके थे। उनके नाम 853 रेटिंग अंक हैं। तेज गेंदबाज बुमराह ने भी इस मैच में छह विकेट चटकाये थे जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंच गये।

चौथे पायदान पर बुमराह

गेंदबाजी तालिका में शीर्ष 10 में तीसरे भारतीय बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा है, जो छठे नंबर पर हैं। टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में जडेजा शीर्ष पर हैं। हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में इंग्लैंड के जो रूट चौथे स्थान पर पहुंच गये है। वह अगर गेंद से अच्छा प्रदर्शन जारी रखने में सफल रहे तो इस सूची में शीर्ष तीन स्थान पर काबिज खिलाड़ियों (जडेजा, अश्विन और शाकिब अल हसन) को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। अपनी शानदार बल्लेबाजी के लिए जाने जाने वाले रूट ने हैदराबाद टेस्ट में पांच विकेट चटकाये थे। उन्होंने दूसरी पारी में गेंदबाजी का आगाज भी किया था। अक्षर पटेल इस सूची में छठे स्थान पर खिसक गये हैं।

कोहली छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 बल्लेबाजों में अकेले भारतीय

दिग्गज भारतीय विराट कोहली छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 बल्लेबाजों में अकेले भारतीय हैं। भारत के खिलाफ दूसरी पारी में 196 रन बनाने वाले इंग्लैंड के ओली पोप 20 स्थान की सुधार के साथ 15वें पायदान पर पहुंच गये हैं। पोप के इंग्लैंड टीम के साथी बेन डकेट भी अपनी रैंकिंग में सुधार करने में सफल रहे हैं। भारत के खिलाफ 35 और 47 रन की पारी खेलने के बाद पांच पायदान के फायदे से 22वें स्थान पर पहुंच गये। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा वेस्टइंडीज के खिलाफ गाबा में खेले गये दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अर्धशतक लगाने के बाद दो स्थान के सुधार के साथ आठवें स्थान पर आ गये है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करने वाले वेस्टइंडीज के खिलाड़ी भी अपनी रैंकिंग सुधारने में सफल रहे। केमार रोच दो पायदान ऊपर 17वें, अल्जारी जोसेफ चार पायदान ऊपर 33वें और गाबा में मैन ऑफ द मैच रहे शमरा जोसेफ 42 पायदान ऊपर चढ़कर रैंकिंग में 50वें स्थान पर पहुंच गए।

'मुझे चिंता नहीं क्योंकि मैं शिबू सोरेन का बेटा हूं'

गरीबों, आदिवासियों पर अत्याचार करने वाली सामंती व्यवस्था के खिलाफ युद्ध छेड़ने का समय : सोरेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने कल ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी से पहले प्रदेश की जनता को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संभवतः ईडी मुझे आज गिरफ्तार करेगी। लेकिन मुझे चिंता नहीं है क्योंकि मैं शिबू सोरेन का बेटा हूं। संघर्ष हमारे खून में है। हम संघर्ष करेंगे और जीतेंगे। उन्होंने मुझे उन मामलों में गिरफ्तार करने का फैसला किया,जिनका मुझसे कोई संबंध नहीं है।

हेमंत सोरेन ने कहा कि अभी तक उनके पास कोई सबूत नहीं मिला है। उन्होंने मेरे दिल्ली आवास पर छापेमारी कर मेरी छवि खराब करने की भी कोशिश की। गरीबों,आदिवासियों पर अत्याचार करने वालों के खिलाफ अब हमें नई लड़ाई लड़नी होगी। दलित और निर्दोष की आवाज बुलंद करनी होगी।

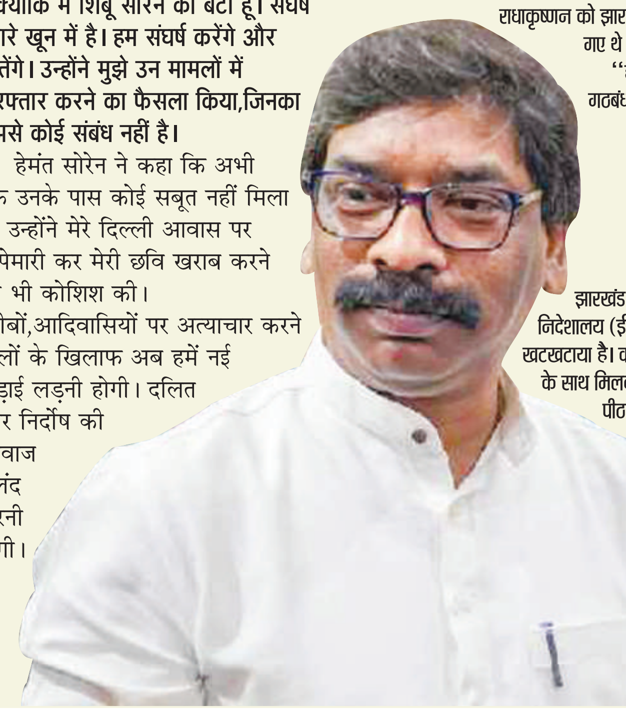

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद सोरेन गिरफ्तार

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद धनशोधन के एक मामले में बुधवार रात को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भूमि धोखाधड़ी मामले से जुड़े धनशोधन के आरोपों को लेकर सात घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद बुधवार को हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें ईडी दफ्तर ले जाया गया जहां उनकी चिकित्सा जांच की गई। अपनी गिरफ्तारी से पहले, सोरेन ने राजभवन में राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन को झारखंड के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। वे गठबंधन के विधायकों के साथ राजभवन गए थे और फिर उन्हें वहां से ईडी कार्यालय ले जाया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा, ''हेमंत सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन ने नए मुख्यमंत्री के रूप में झामुमो के वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हेमंत कल होगी सुनवाई

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कथित भूमि घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी के साथ मिलकर तत्काल सुनवाई के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष सोरेन के मामले का उल्लेख किया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ इस मामले पर शुक्रवार (2 फरवरी) को सुनवाई के लिए सहमत हुए हैं। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि सोरेन ने इन्हीं प्रार्थनाओं के साथ झारखंड हाईकोर्ट में एक समान याचिका दायर की है, जिस पर हाईकोर्ट आज सुनवाई कर रहा है, तब सिब्बल ने कहा कि उक्त याचिका हाईकोर्ट से वापस ले ली जाएगी। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, यह हाईकोर्ट के साथ अन्याय होगा क्योंकि, उनके अनुरोध पर मामले को पहले आज बोर्ड पर रखा गया और अब कल के लिए पोस्ट किया गया। सिब्बल ने अपना वचन दोहराया कि हाईकोर्ट में याचिका वापस ले ली जाएगी।

आदिवासी संगठन ने किया झारखंड बंद का एलान

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद आदिवाली संगठन ने आज झारखंड बंद करने का एलान किया है। चप्पे चप्पे पर पुलिस की तैनाती की गई है।

सोरेन की गिरफ्तारी आदिवासी विरोधी कार्रवाई : अखिलेश यादव

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला किया और उन पर आदिवासी विरोधी कार्यों और अलोकतांत्रिक प्रथाओं का

आरोप लगाया। यादव ने कहा कि झारखंड नहीं झुकेगा! जैसा कि उन्होंने राज्य में सबसे आगे आने के लिए भाजपा को आदिवासी विरोधी चेहरा बताया। उन्होंने सोरेन की झारखंड में आदिवासी अधिकारों की रक्षा करने और भ्रष्टाचार और शोषण के खिलाफ खड़े होने के लिए समर्पित एक साहसी योद्धा के रूप में प्रशंसा की। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हेमंत सोरेन के साथ किया गया व्यवहार झारखंड की जनता की राय का अपमान है।

झारखंड में हम ही बनाएंगे सरकार : चंपई सोरेन

» भाजपा हुई एक्टिव, राजभवन पर टिकी नजर

झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस्तीफा दे दिया है। वहीं, चंपई सोरेन अब झारखंड के नए मुख्यमंत्री होंगे। बता दें कि कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची में प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को घंटों तक पूछताछ की थी। वहीं, अब यह भी खबर आ रही है कि हेमंत सोरेन के इस्तीफा देते ही भाजपा अवसर की तलाश में लग गई है। इसके अलावा राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की बात भी सामने आ रही है। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं होने वाले भावी सीएम चंपई सोरेन ने कहा कि हमारे पास 47 विधायकों का समर्थन है और हम ही सरकार बनाएंगे।

हेमंत बिगड़ैल बेटा, उन्हें जनता का पैसा लूटने का कोई अधिकार नहीं : रिजिजू

» केंद्रीय मंत्री का हमला- पूर्व सीएम का डायलॉग हास्यास्पद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन पर प्रहार करते हुए कहा कि वो बिगड़ैल बेटा हैं, उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें जनता का पैसा लूटने का कोई अधिकार नहीं है।

किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा मैं एक पिछड़े इलाके का आदिवासी हूं, मुझे आपकी टिप्पणी हास्यास्पद लगती है, अगर शिबू सोरेन जी यह डायलॉग कहते हैं तो मैं मान

सकता हूं, लेकिन एक बिगड़ैल बेटे को यह डायलॉग शोभा नहीं देता, वैसे भी आदिवासियों के पास इसका लाइसेंस नहीं है जनता का पैसा लूटो, उनकी टिप्पणी एक्स पर हेमंत सोरेन की पोस्ट के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह डरे हुए नहीं हैं और हार स्वीकार नहीं करेंगे।

विस सत्र में आम सहमति बनाने की कोशिश

» विधान भवन में हुई सर्वदलीय बैठक

» पांच फरवरी को बजट पेश करेगी योगी सरकार, 12 फरवरी तक चलेगा सत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार आगामी पांच फरवरी को वर्ष 2024-25 के लिए बजट पेश करेगी। बजट सत्र 2 फरवरी से शुरू होकर 12 फरवरी तक चलेगा। विधानसभा की कार्यवाही शनिवार को भी चलेगी। इस संबंध सर्वदलीय बैठक में की गई। इस बैठक में विधासभा अध्यक्ष सतीश महाना उपस्थि रहे।

इस अवसर पर सीएम योगी, बसपा से उमाशंकर सिंह, कांग्रेस अराधना मिश्रा मोना, सपा डा. मनोज पांडेय, सुभासपा ओपी राजभर, जनसत्ता दल के राजा भैया मौजूद रहे। 10 फरवरी को विधानसभा में बजट को मंजूरी दी जाएगी। बताया जा रहा है कि योगी सरकार-2.0 का दूसरा बजट खर्चों में कटौती और कमाई पर ज्यादा केंद्रित होगा। राजकोषीय घाटा और उधारी का बोझ घटाया जाएगा। इसके बावजूद राजकोषीय घाटे में भारी वृद्धि का अनुमान है। वित्त वर्ष 23-24 में राजकोषीय घाटा 174 फीसदी का अनुमान है जो नए वित्त वर्ष 24-25 में बढ़कर 186 फीसदी तक हो सकता है।

पूरे विपक्ष ने बजट को बताया निराशाजनक

» बोला- सरकार ने 18 लाख करोड़ रुपये का घाटा बढ़ाया

» यह बजट वोट-ऑन-अकाउंट है : मनीष तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में केंद्रीय अंतरिम बजट 2024-25 पेश कर दिया है। मोदी सरकार के अंतरिम बजट पर नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने इस बजट

को निराशाजनक बताया, जबकि बीजेपी ने इसे उत्साहजनक बजट करार दिया। सांसद मनीष तिवारी ने बजट पर उठाए सवाल हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने अंतरिम बजट पर सवाल उठाए।

2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य हासिल कर लेंगे : राजनाथ

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह एक उत्साहजनक बजट है। हमें पूरा विश्वास है कि हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। केंद्रीय मंत्री वीके सिंह का कहना है कि सबकुछ विकसित भारत के लिए होगा। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बजट में हर चीज पर चर्चा की गई है।

बजट में एक अहंकार नजर आया : हरसिमरत कौर

शिरोमणी अकाली दल सांसद हरसिमरत कौर बादल ने कहा, मुझे इस बजट में एक अहंकार नजर आ रहा था कि हम जुलाई में बजट पेश करेंगे। आप किसी भी चुनाव को हल्के में नहीं ले सकते। आज आपके पास मौका था कि पिछले 10 सालों में किए गए वादों को पूरा करें न कि जनता को और सपने दिखाएं।

निराशाजनक! कई मुद्दों को छुआ तक नहीं : शशि थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बजट को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि बजट भाषण छोटा और निराशाजनक दोनों था। इसमें बहुत कम सार था, बड़ी चूक हुई और कई मुद्दों को छुआ तक नहीं गया।

'वास्तविक बजट जुलाई में आएगा'

नेशनल कॉन्फ्रेंस सांसद फारूक अब्दुल्ला ने कहा- वास्तविक बजट जुलाई में आएगा। हमें उम्मीद है कि लोगों को फायदा होगा, पर्यटन बढ़ेगा, उद्योग भी बढ़ेंगे और देश प्रगति करेगा।

सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि यह एक वोट-ऑन-अकाउंट है, जिसका एकमात्र उद्देश्य मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए सरकार को वित्तीय स्थिति में बनाए रखना है। चिंता की बात यह है कि 18 लाख करोड़ रुपये का बजट घाटा है। इसका मतलब है कि सरकार अपने खर्च के लिए उधार ले रही है। यह संख्या देश में अगले साल और बढ़ने वाली है। हम विकसित भारत के लिए गरीब, महिला, किसान, युवा को सशक्त बना रहे हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।